धान की रिकॉर्ड खरीदी के बाद चावल जमा करने में छत्तीसगढ़ ने रचा कीर्तमिान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ ने केंद्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में एक नया कीर्तमिान रचते हुए जून माह के अंत तक 50 लाख मीट्रकि टन से अधकि चावल भारतीय खाद्य नगिम एवं नागरकि आपूर्तनिगिम में जमा करा दयिा है।

प्रमुख बदिु

- राज्य सरकार की कसिान हतिैषी नीतयिों एवं दूरदर्शी नर्णियों के फलस्वरूप खरीफ वर्ष 2021-22 में राज्य में सर्वाधकि धान उपार्जन का कीर्तमिान रचने के बाद समतियिों से धान का उठाव और केंद्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी छत्तीसगढ़ ने एक नया कीर्तमिान रचा है।
- खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में 97.99 लाख मीट्रकि टन धान की समर्थन मूल्य पर रकिॉर्ड खरीदी के साथ ही राज्य में पहली बार माह अप्रैल-मई में ही उपार्जन केंद्रों से शत-प्रतशित धान का उठाव पूरा कर लयिा गया। इसके अलावा संग्रहण केंद्रों में भंडारति लगभग 22.90 लाख मीट्रकि टन धान का भी शत-प्रतशित उठाव वर्षा पूर्व माह जून में ही कर लयिा गया है।
- गौरतलब है कि खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में उपार्जति 97.99 लाख मीट्रकि टन धान में से 75.03 लाख मीट्रकि टन धान (लगभग 77 प्रतशित) का उपार्जन केंद्रों से सीधे उठाव मलिरों द्वारा कयिा गया, जबकि खरीफ वपिणन वर्ष 2018-19 में उपार्जति धान का 58 प्रतशित, वर्ष 2019-20 में उपार्जति धान का 61 प्रतशित एवं वर्ष 2020-21 में उपार्जति धान का 62 प्रतशित मात्रा का उपार्जन केंद्रों से मलिरों द्वारा सीधे उठाव कयिा गया था।
- खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में उपार्जन केंद्रों से सीधे मलिरों द्वारा धान का रकिॉर्ड उठाव करने के कारण परविहन व्यय, सूखत की मात्रा एवं धान की सुरक्षा एवं रखरखाव के व्यय में भी बीते वर्षों की तुलना में कमी आई है।
- राज्य सरकार द्वारा धान उठाव व कस्टम मलिगि हेतु नर्धिारति व्यवस्था व व्यवहारकि नीतयिों के फलस्वरूप न केवल धान का समय पर उठाव सुनश्चिति हुआ, अपतिु कस्टम मलिगि तेजी से हुई, जसिके कारण राज्य ने चावल जमा करने में उल्लेखनीय सफलता हासलि की है।
- अब तक भारतीय खाद्य नगिम में लगभग 25.74 लाख मीट्रकि टन एवं नागरकि आपूर्तनिगिम में लगभग 24.35 लाख मीट्रकि टन इस प्रकार कुल 50.09 लाख मीट्रकि टन चावल जमा कयिा जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020-21 में जून माह के अंत तक 36.56 लाख मीट्रकि टन चावल जमा कयिा गया था। इस वर्ष जमा कराए गए चावल की मात्रा बीते वर्ष की तुलना में लगभग 13.44 लाख मीट्रकि टन अधकि है। भारतीय खाद्य नगिम एवं नागरकि आपूर्तनिगिम में चावल जमा का कार्य नरिंतर रूप से जारी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-created-a-record-in-collecting-rice